खजाना लुटीया रे संतो दो नैनो रे बीच भजन लिरिक्स

खजाना लुटीया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।

दोहा – शब्दा मारा मर गया,
ओर शब्दा छोड्यो राज,
जिन नर शब्द विचारीया,
तो ज्यारा सरीया काज।

खजाना लुटीया रे संतो,
दो नैनो रे बीच,
अरे दो नैनो रे बीच,
खजाना दो नैनो रे बीच,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

ए डूंगर ऊपर डूंगरी रे,
संतो जिन पर बैठा मोर,
अरे डूंगर ऊपर डूंगरी रे,
संतो जिन पर बैठा मोर,
अरे मोर बेचारा काई करे,
अरे मोर बेचारा काई करे,
घर में घुसगीया चोर,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

धोबन कपड़ा धोवती रे,
संतो गो घाट रे बीच,
अरे धोबन कपड़ा धोवती रे,
संतो गो घाट रे बीच,
अरे साबून मछिया ले गई रे,
अरे साबून मछिया ले गई,
धोबन जोवे बाट,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अरे हुरो पुरो मुख आंख रो रे,
संतो लम्बी मेहल रो,
अरे हुरो पुरो मुख आंख रो रे,
संतो लम्बी मेहल रो,
अरे हाथ मेहन्दी चलकारी,
काजल भरीया नैन,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

अरे आठ हाट री काकडी रे,
संतो नौ हाट रो बीज,
अरे आठ हाट री काकडी रे,
संतो नौ हाट रो बीज,
अरे आप कबीर सा बोलीया,
अरे आप कबीरसा बोलीया रे,
दस दरवाजा बीच,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

खजाना लुटीया रे संतो,
दो नैनो रे बीच,
अरे दो नैनो रे बीच,
खजाना दो नैनो रे बीच,
खजाना लुटिया रे संतो,
दो नैनो रे बीच।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com